दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-2018

पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010

द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिका

(सत्र 2016-2018 के चतुर्थ सेमेस्टर में प्रविष्ट विद्यार्थियों हेतु)

क्रमांक	सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य कोड	कहाँ प्रेषित करें	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य पहुँचने की निर्धारित अन्तिम दिनांक
01.	एम ए एच डी – 19	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर	दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा घोषित सूचनानुसार 30.04.2018
02.	एम ए एच डी – 20		
03.	एम ए एच डी – 21		
04.	एम ए एच डी – 22		
05.	एम ए एच डी – 23		
06.	एम ए एच डी – 24		

- अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य अध्ययन केन्द्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर ही किया जाएगा।

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

पुरन्दरदास
पाठ्यक्रम संयोजक

दिनांक : 22 दिसंबर, 2017

दूर शिक्षा निदेशालय
एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-2018, द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य
दिशा-निर्देश

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18 के द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) हेतु निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं में प्रत्येक में 01–01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या के अन्तर्गत निर्धारित परियोजना कार्य : रचनाकार का विशेष अध्ययन (MAHD – 23) अथवा हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन (MAHD – 24) में से किसी 01 विकल्प का चयन कर उससे सम्बन्धित 01 परियोजना कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर में कुल 04 सत्रीय कार्य तथा 01 परियोजना कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 06 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखना है।

पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) के लिए निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं का अवलोकन करें। परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं के अवलोकनार्थ कृपया निम्नलिखित URL का उपयोग कीजिए –
http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD-23%20rachnakaar_ka%20vishesh_aadhyayan.pdf
http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD-24%20hindi_kee_sanshkriti_ka_vishesh_aadhyayan.pdf

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों तथा परियोजना कार्य को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अन्तिम दिनांक से पूर्व सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर जमा कराएँ तथा प्रस्तुत सत्रीय कार्यों तथा परियोजना कार्य की एक-एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यतः सुरक्षित रखें।

*****

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुनः प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा सम्बन्धित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितना विकसित हुआ है ! आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है । विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए । पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है । उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा ।

सत्रीय कार्य लेखन :-

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमतः सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए । तदनन्तर सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए । पूछे गए प्रश्नों से सम्बन्धित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए । निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए । साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए। पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।
02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अन्तिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए । कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो ।
03. सत्रीय कार्य लेखन :- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में सम्पन्न किया जाना है । पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो । आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है । उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए । उत्तर-

पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A–4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) तथा सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी द्वारा उत्तर-पुस्तिका में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :--

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक- 01 देखिए।
02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।
03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18, वर्ष : द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड: एम ए एच डी, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक, सत्रीय कार्य कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक तथा पाठ्यचर्या का शीर्षक लिखिए।
04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुश्री/श्री/डॉ. न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।
05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नभाग में सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को परियोजना कार्य की रिपोर्ट के साथ जाँच हेतु सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर जमा करा दीजिये। लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य, एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र 2016-18, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर (एम ए एच डी)** अवश्य लिखिए।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र 2016-18, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – I

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 19 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 19

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- नैतिकता, जीवन-मूल्य, आदर्श, कर्त्तव्य आदि से आप क्या समझते हैं ? क्या नीतिकवियों द्वारा विरचित काव्य मनुष्य को जीवनोपयोगी संस्कार और नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करने में सहायक हैं ? अपने जीवन में इनकी तलाश कीजिए और उन संस्मरणों का उल्लेख कीजिए जब आपकी स्मृति में प्रसुप्तावस्था में अवस्थित नीतिवाक्यों ने किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थितियों में आपका मार्गदर्शन किया हो ?

प्रश्न 02 :- 'नीतिकाव्य' का मूल प्रयोजन क्या है ? क्या 'नीतिकाव्य' को काव्य के अन्तर्गत परिगणित किया जा सकता है ? नीतिकाव्य के काव्यत्व विषयक विभिन्न मतों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 03 :- 'जीवन-मूल्य' से आप क्या समझते हैं ? जीवन के विभिन्न पक्षों के अनुरूप वर्गीकृत करते हुए विभिन्न जीवन-मूल्यों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 04 :- नीतिकाव्य की एक सुदीर्घ परम्परा भारतीय वाङ्मय में विद्यमान है। मूल्य चेतना की दृष्टि से हिन्दी नीतिकाव्य परम्परा का आकलन कीजिए।

प्रश्न 05 :- सन्त कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

प्रश्न 06 :- भक्त कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

प्रश्न 07 :- रीतिकालीन कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

प्रश्न 08 :- रैदास, जमाल, बैताल, सम्मन, रामसहाय दास प्रभृति कवियों के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य चेतना का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र 2016-18, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – II

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 20 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 20

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी के विविध गद्य-रूप

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- 'भाखा बहता नीर' के सन्दर्भ में कुबेरनाथ राय की निबन्ध-कला का वैशिष्ट्य उद्घाटित कीजिए।

प्रश्न 02 :- 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' की विषयवस्तु में किन प्रसंगों और घटनाओं का उपयोग किया गया है ? 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' की अंतर्वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 03:- "हिन्दी जीवनी साहित्य में 'आवारा मसीहा' एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।" उक्त कथन की परीक्षा कीजिए।

प्रश्न 04:- रामवृक्ष बेनीपुरी अपनी जादुई भाषा और जोरदार शैली के कारण बहुचर्चित रहे हैं। उनकी विशिष्ट शैली से ही उनके गद्य को ताकत और गतिशीलता मिलती है। भाषा-शैली और चित्रण-कौशल की दृष्टि से उनके द्वारा विरचित रेखाचित्र 'रजिया' का मूल्यांकनकीजिए।

प्रश्न 05 :- मोहन राकेश के व्यक्तित्व के दर्पण के रूप में उनकी 'डायरी' का आकलन कीजिए।

प्रश्न 06 :- "रिपोर्ताज को 'सांसारिक और मानवीय संकटों का सिस्मोग्राफ' और 'यथार्थ का डोक्यूमेंटेशन' कहा गया है"।" उक्त कथन के परिप्रेक्ष्य में रिपोर्ताज 'बूढ़ी बामणी' का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 07 :- साक्षात्कारकर्त्ता में कौन-कौनसी विशेषताएँ अपेक्षित हैं ? साक्षात्कारकर्त्ता को साक्षात्कार से पूर्व किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? मनोहरश्याम जोशी की साक्षात्कार-कला की खास शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 08 :- पत्र साहित्य परम्परा का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'भिक्षु के पत्र' लेखन का उद्देश्य और विषयवस्तु स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र 2016-18, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – III

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 21 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 21

पाठ्यचर्या का शीर्षक : भाषाविज्ञान

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- आकृतिमूलक वर्गीकरण से क्या तात्पर्य है और यह किन आधारों पर किया जाता है? आकृतिमूलक वर्गीकरण के आधार पर भाषाओं के कौन-कौन से भेद-प्रभेद किए जाते हैं?

प्रश्न 02 :- पारिवारिक वर्गीकरण से क्या तात्पर्य है ? पारिवारिक वर्गीकरण और आकृतिमूलक वर्गीकरण में क्या अन्तर है ? पारिवारिक वर्गीकरण किन आधारों पर किया जाता है ? विवेचना कीजिए।

प्रश्न 03 :- भाषाविज्ञान क्या है ? इसके विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए और भाषाविज्ञान के अंगों की सविस्तार चर्चा कीजिए।

प्रश्न 04 :- भाषा परिवर्तन से क्या तात्पर्य है? भाषा परिवर्तन के स्वरूप, कारण और दिशाओं को समझाइए।

प्रश्न 05 :- वाग्यंत्रों का चित्र बनाकर सभी वाग्यंत्रों को उचित स्थान पर प्रदर्शित कीजिए एवं उनका परिचय दीजिए।

प्रश्न 06 :- पद क्या है ? इसकी अवधारणा को समझाते हुए भाषा के विविध स्तरों के सापेक्ष पद की स्थिति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 07 :- रूप परिवर्तन से क्या तात्पर्य है ? रूप परिवर्तन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रूप परिवर्तन की दिशाएँ और रूप परिवर्तन के कारणों को समझाइए।

प्रश्न 08 :- अर्थ परिवर्तन से क्या तात्पर्य है ? अर्थ परिवर्तन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और अर्थ परिवर्तन के कारणों को समझाइए।

*****

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र 2016-18, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – IV

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 22 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 22

पाठ्यचर्या का शीर्षक : नव सामाजिक विमर्श

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 05 हैं।**

प्रश्न 01 :- स्त्री विमर्श के सन्दर्भ में अनामिका की कविताओं का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 02 :- "मलखान सिंह की कविताएँ वर्ण-व्यवस्था, ब्राह्मणवादी, सामन्ती-व्यवस्था पर तीखेपन के साथ हमला करती हैं। साथ ही उन तमाम मिथकों, बिम्बों और प्रतीकों को भी चेतावनी देती हैं जो साहित्य में जड़ जमाए बैठे हैं।" उक्त कथन के परिप्रेक्ष्य में मलखान सिंह की कविताओं में अभिव्यक्त दलित चेतना का आकलन कीजिए।

प्रश्न 03 :- "ग्रेस कुजूर की कविताएँ आदिवासियों पर हो रहे बाहरी हमले और दमन से उठे दर्द का एहसास कराती हैं। उनके कलमबद्ध शब्द आदिवासियों को आगाह करते हुए उन्हें बचने तथा संघर्ष करने का आह्वान करते हैं।" उक्त कथन के परिप्रेक्ष्य में ग्रेस कुजूर की कविताओं की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 04 :- स्त्री विमर्श के सन्दर्भ में 'एक ज़मीन अपनी' उपन्यास की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 05 :- संरचना और शिल्प की दृष्टि से 'जंगल के गीत' उपन्यास की विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए।

प्रश्न 06 :- "स्त्री-विमर्श सम्बन्धी सुधा अरोड़ा का भाष्य स्त्री के अस्तित्व के असीम और अछोर उलझाव से एक धारदार मुठभेड़ है।" मुद्राराक्षस के उक्त कथन के आलोक में 'अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्ठी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 07 :- "सामूहिकता, समता, श्रम आधारित जीवन और सहअस्तित्व का आदिवासी जीवन-मूल्य में विशेष महत्व है।" 'मैना' कहानी के आधार पर उक्त कथन की मीमांसा कीजिए।

प्रश्न 08 :- दलित विमर्श की कसौटी पर 'मुर्दहिया' आत्मकथा की परख कीजिए।

*****

परिशिष्ट- 01

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

.....

›

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

.....

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-18, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :

सत्रीय कार्य कोड :

पाठ्यचर्या क्रमांक:

पाठ्यचर्या का शीर्षक :

.....

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक:

नामांकन संख्या:

पत्राचार पता :

मोबाइल नं. :

ई-मेल :

.....

सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता :

दिनांक:

स्थान :

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

*****